गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 01 | गोरखपुर रविवार 29 जून 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

पिछली सरकारों में उद्यमियों की उपेक्षा, जातीय संघर्षों को मिला बढ़ावा: योगी आदित्यनाथ

- विश्व एमएसएमई दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई नई पहल का किया शुभारंभ
- बोले मुख्यमंत्री, हमारे लिए युवाओं की जाति नहीं, उनकी प्रतिभा रखती है मायने
- कहा-पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से नहीं थी फुरसत, युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया गया

संवाददाता

लखनऊ। विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने यूथ अड्डा का लोकार्पण, सीएम युवा मोबाइल ऐप का शुभारंभ और बरेली व मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपये की ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सभी समुदायों के युवाओं को समान अवसर प्रदान करने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को जाहिर किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से ही फुरसत नहीं थी, जिसके कारण प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले का यूपी दंगों के रूप में, माफिया गिरोह के रूप में, बेटी और व्यापारी के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश के रूप में जाना जाता था। पिछली सरकारों की उपलब्धि जातीय संघर्ष करा कर परिवारवाद के नाम पर एक जनपद एक माफिया देने की रही है। इसके चलते जनता के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा कि यूपी ने 24 जनवरी 2018 में पहली बार अपने स्थापना दिवस का आयोजन किया। 1950 में यूपी की स्थापना होने के बाद से लेकर 2018 तक कभी प्रदेश के स्थापना दिवस का आयोजन नहीं हुआ, क्योंकि पिछली सरकारों को जातीय संघर्ष कराने और इसके आधार पर प्रदेश को पहचान का संकट खड़ा करने से फुरसत ही नहीं थी। वे सब अपने परिवार के लिए कार्य कर रहे थे, प्रदेश से उनका कोई मतलब नहीं था। मुख्यमंत्री ने यूथ अड्डा का लोकार्पण किया, जिसे यूपीकॉन द्वारा नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। यह मंच सभी जातियों और समुदायों के युवाओं को अपने व्यवसायिक विचार साझा करने, बैंकों से ऋण सहायता प्राप्त करने और अनुभवी मेंटर्स से मार्गदर्शन लेने का अवसर प्रदान करेगा। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार जाति, क्षेत्र या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करती। हर युवा की प्रतिभा को मंच देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

बीजेवाईएम के कार्यक्रम में बोले विदेश मंत्री एस जयशंकर...

संविधान की प्रति हाथ में लेकर चलने वालों से सावधान, किस्सा कुर्सी का बहुत महंगा पड़ता है

- विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि विपक्ष बार-बार कहता है कि अघोषित इमरजेंसी है लेकिन मैं आप सभी के माध्यम से बताना चाहूंगा कि यह इमरजेंसी का समय नहीं है और ना ही आगे होगा इसलिए आज मॉक पार्लियामेंट में हम सबकी उपस्थिति है।

एजेंसी

नई दिल्ली। आपातकाल के काले अध्याय के 50 साल पूरे होने के मौके पर दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा द्वारा आज एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में कांग्रेस द्वारा लगाये गए मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दीप प्रज्वलित कर इसकी शुरूआत की। मॉक पार्लियामेंट्र में विभिन्न कॉलेजों के युवा छात्रों ने भाग लिया। अपने सम्बोधन से पूर्व डॉ. एस जयशंकर और वीरेन्द्र सचदेवा ने आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर लगाई गयी विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम की शुरूआत में दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष सागर त्यागी ने स्वागत भाषण में कांग्रेस के आपातकाल को याद किया और कहा कि यह भारत के इतिहास में एक काला अध्याय है। वहीं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज अगर मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया है तो उसका एक कारण यह है कि युवा पीढ़ी को इस बात की जानकारी हो कि आखिर अपनी कुर्सी और सत्ता बचाने के किए कांग्रेस सरकार द्वारा कैसे संविधान का गला घोंटा गया और कैसे कलम की ताकत पर रोक लगाई गई इस बात की जानकारी आज की युवा पीढ़ी को भी होनी चाहिए। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि उस वक्त सिर्फ सत्ता के लालच में किसी का हाथ काट दिया गया था तो किसी को जान से मार दिया गया। इसलिए आज की पीढ़ी को समझना पड़ेगा कि आखिर इमरजेंसी क्या है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में विश्व ने भारत की जो ताकत देखी है उसके एक सूत्रधार हमारे बीच डॉ एस. जयशंकर जी बैठे हुए हैं।

चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों?

वोटर लिस्ट सत्यापन को लेकर बोले तेजस्वी बोले, नीतीश और मोदी डरे हुए हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने चुनावी राज्य बिहार में

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्देश जारी किए हैं। इसका मतलब है कि बिहार के लिए मतदाता सूची नए सिरे से तैयार की जाएगी। अब इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए है। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की घोषणा की है।

इसका मतलब है कि 8 करोड़ बिहारियों की मतदाता सूची को दरकिनार कर दिया गया है और एक नई सूची बनाई जाएगी। तेजस्वी से सवाल किया कि चुनाव से 2 महीने पहले ऐसा क्यों किया जा रहा है? क्या 25 दिनों के भीतर आठ करोड़ लोगों की मतदाता सूची बनाना संभव है? मांगे गए दस्तावेज ऐसे हैं जो गरीबों के पास शायद ही हों। हमारा प्रतिनिधिमंडल इस मामले को लेकर चुनाव आयोग से संपर्क करेगा। सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी डरे हुए हैं। वे चाहते हैं कि गरीबों का नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। वे समाज के गरीब तबके से वोट देने का अधिकार छीनना चाहते हैं। कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे राज्य मशीनरी का इस्तेमाल करके मतदाताओं को जानबूझकर बाहर करने का जोखिम है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहाँ अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है।

सीएम काफिले की गाड़ियों में भरा पानी मिला डीजल

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के काफिले में शामिल 19 वाहनों को गुरुवार को इसलिए खींचना पड़ा क्योंकि उनमें डीजल की जगह पानी भर दिया गया था। यह घटना राज्य के रतलाम जिले में एक पेट्रोल पंप पर हुई, जहां मुख्यमंत्री शुक्रवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। इंदौर से आ रही ये गाड़ियाँ रतलाम में ईंधन भरने के कुछ ही देर बाद खराब हो गईं, जिसके बाद उन्हें टो किया गया। घटना के वीडियो में एसयूवी को ड्राइवर और पेट्रोल पंप के कर्मचारी धक्का देते हुए दिखाई दे रहे हैं। बाद में ईंधन में मिलावट पाए जाने पर पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया। काफिले के एक ड्राइवर ने बताया कि गाड़ियां इंदौर से रतलाम आ रही थीं और ईंधन भरवाने के लिए पेट्रोल पंप पर रुकी थीं। ड्राइवर ने बताया कि हमने टैंक में डीजल भरवाया था। कुछ गाड़ियां ईंधन भरने के बाद चली गईं और 1 किलोमीटर चलने के बाद खराब हो गईं, जबकि अन्य गाड़ियां यहीं खराब हो गईं।

आरजी कर कांड के बाद अब लॉ कॉलेज में दरिंदगी

कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण कोलकाता के कस्बा में एक लॉ कॉलेज के अंदर एक छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्बा पुलिस स्टेशन ने घटना के संबंध में एक शिकायत के बाद प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की और गिरफ्तारियाँ कीं, जो कथित तौर पर 25 जून को शाम 7.30 बजे से 10.50 बजे के बीच दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज के परिसर में हुई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नामजद आरोपियों में एक पूर्व छात्र और स्टाफ सदस्य के साथ-साथ कॉलेज के नामांकित छात्र भी शामिल हैं। शिकायत मिलने के बाद, पुलिस ने पीड़िता की प्रारंभिक चिकित्सा जांच की, गवाहों के बयान दर्ज किए और घटनास्थल का दौरा किया।

सम्पादकीय...

आतंक पर छद्म नीति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क्विंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल,भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपेरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

राशिफल

मेषः- भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें।

बृषभः- नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार हैं। पुराने संबंधों से लाभ संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। आर्थिक सुदृढ़ता हेतु मन चिंतित होगा।

मिथुनः- विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्कः- भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता मिलने के आसार हैं। मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी।

सिंहः- कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

कन्याः- भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय संभव। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे अपयश या लान्छन मिले।

तुलाः- निकट संबंधो में भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता मिलने के आसार हैं। संतान संबंधी महत्वपूर्ण दायित्व अपनी पूर्ति हेतु दवाब बनाएंगे।।

वृश्चिकः- परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। घर में खुशहाली रहेगी।

धनुः- कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें।

मकरः- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। किसी नये संबंध के प्रति निकटता बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

कुंभः- कुछ नये पारिवारिक तनावों से मन अशांति से प्रभावित रहेगा। कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। शिक्षार्थी शिक्षा में ध्यान दें। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें।

मीनः- नयी आशाएं नवीन उत्साह का संचार करेंगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित

डॉ. अरुण मित्रा

महाराष्ट्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय बेतुका, खतरनाक और शिक्षा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने कहा कि कक्षा एक से बच्चों को सैन्य प्रशिक्षण देने का विचार युवा शिक्षार्थियों में कम उम्र से ही देशभक्ति, अनुशासन और शारीरिक फिटनेसश को बढ़ावा देना है। हालांकि यह बच्चे की देखभाल के किसी भी पहलू पर लागू नहीं होता है। यह बाल विकास के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के विरुद्ध है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस तरह से बच्चों के दिमाग को अनुशासित करना कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित इस अवधारणा पर आधारित है कि बच्चों पर सहज प्रेम बरसाने के बजाय उन्हें नियंत्रित, अलग-थलग और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस कम उम्र में उन्हें सैन्य प्रशिक्षण में धकेलना अनुशासन के नाम पर उनके दिमाग में बैरक जैसे विचार भरना है। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. परम सैनी के अनुसार ये विचार 18वीं और 19वीं सदी के सामाजिक मानदंडों से प्रभावित थे जिन्हें अब काफी पुराना माना जायेगा। आधुनिक पालन-पोषण स्नेह, गर्मजोशी, पोषण, सहानुभूति, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित लगाव आदि को महत्व देता हैऔर इन्हें अब स्वस्थ भावनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक माना जाता है। माता-पिता और परिवार द्वारा इन्हें प्रदान किया जाना चाहिए और स्कूलों में शिक्षकों द्वारा सुदृढ़ किया जाना चाहिए। बच्चों को एक-दूसरे के साथ घुलने-मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथियों के साथ खेलना, चर्चा करना, बहस करना हमेशा विकास का एक स्वस्थ संकेत है। यही कारण है कि हम कई बार देखते हैं कि बच्चे एक-दूसरे से झगड़ते हैं लेकिन जल्द ही दोस्त बन जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का विकास करना है जो तर्कसंगत रूप से सोच सके और घटनाओं का विश्लेषण कर सके। उसे समाज, परिवार और राज्य द्वारा बतायी गयी बातों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। बच्चे का दिमाग खाली होता है और उसे सकारात्मक मूल्यों से भरना होता है। इस छोटी उम्र में सैन्य जैसा अनुशासन लागू करने का विचार ही बच्चों में रचनात्मक विचारों, तर्कसंगत सोच और जिज्ञासा को नष्ट कर देगा। सैन्य कर्मियों द्वारा छोटी उम्र में बच्चों को अनुशासित करने से उनकी रचनात्मकता अवरुद्ध हो जायेगी और वे आज्ञाकारी अधीनस्थ की तरह सोचने लगेंगे। इस उम्र में कोमल मन कई प्रश्नों से भरा होता है जिनका उत्तर उसके

व्यक्तित्व के विकास के लिए दिया जाना चाहिए। बच्चे द्वारा उठाये गये किसी भी प्रश्न को अनदेखा करने से विकासशील मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चूंकि बच्चे के लिए आस-पास की बहुत सी चीजें या घटनाएं बहुत नयी होती हैं, इसलिए उसे सवाल पूछने और संदेहों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चे को प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना, उसका संरक्षण और संवर्धन करना, प्रकृति के उत्पादों के साथ खेलना सिखाना चाहिए। जिज्ञासा को शांत करना और तर्कसंगत विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है। स्कूली छात्रों के प्रारंभिक वर्षों के लिए दुनिया भर में कई शिक्षा कार्यक्रम पहले से ही तैयार किये गये हैं। मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए।

कुछ खास...

प्रकृति का पर्यावरण

जनता सत्ता के राष्ट्रवाद में सराबोर है, लेकिन क्या वह उतना ही समाज में किए जाने वाले रचनात्मक कार्यों के प्रति भी सजग है? समाज ने अपने रचनात्मक कार्य भी

सत्ता के भरोसे छोड़ दिए हैं। आज हमारा धर्म, हमारा व्यवहार व व्यापार और हमारे पर्यावरण तक को सत्ता ही परिभाषित कर रही है। यहां तक कि हम अपने हर विचार व व्यवहार के लिए सत्तानीति पर आश्रित हैं। डबल इंजन सरकार का सिंगल अजेंडा यही है कि सत्ता कायम कैसे रखी जाए। क्यों हर साल एक बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर साल भर प्रकृति के साथ सहजीवन का तिरस्कार होता रहता है? इस साल भी यही हुआ। समाज में विकास की तेज रफ्तार के लिए जनता द्वारा किए जाने वाले रचनात्मक कार्यक्रमों को फिर भुलाया गया। सत्ता तेज रफ्तार के विकास का स्वांग तो जनता को भरमाने या हैरान करने के लिए रचती है। आज हर तरफ मंडराते युद्ध के कारण जो जीवन, धन व वन का क्षय हो रहा है उसमें सत्ता के कुछ सिरफिरों के लिए हमारा पर्यावरण नगण्य हो गया है और हमने भी पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भुला दिया है। हम भी तेज विकास की रफ्तार में अपनी गाड़ी को दौड़ाते हुए पर्यावरण की अनदेखी और उत्तरदायित्व की नासमझी कर रहे हैं। उसे ही विकास मान रहे हैं। जो भी हमारे इस तेज रफ्तार विकास के आड़े आ रहा है उसको हम जलवायु परिवर्तन के बहाने से छुपाने, ढांकने में लगे हैं। खबर आई कि हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल कसौल के जंगलों में पर्यटन से उपजा, आसपास के कई सौ होटलों का कचरा जंगल के मुहाने पर डाला जा रहा था। सवाल उठे तो उस कचरे को कई ट्रकों में भरकर संरक्षित जंगल के और अंदर बेशर्मी से ले जाकर छुपाया गया। उस पर मिट्टी डाल दी गयी। शहरों में तो ऐसे कचरे के पहाड़ बन ही रहे हैं, मगर अब पहाड़ों में भी कचरे के शहर बनने की शुरूआत हो गयी है। सुविधा संपन्न सत्ता ऐसे ही विकास के नाम पर समाज को ठगती व लूटती है। हम आज इतना कचरा पैदा कर रहे हैं जितना सहेज नहीं सकते। कचरा हम कर रहे हैं और उसको सहेजने का जिम्मा दूसरों पर डाल रहे हैं। क्या सत्ता के लिए पर्यटन ही एक मात्र विकास का पैमाना हो गया है? हमारे शहरों को ड्रीम सिटी बनाने का सपना दिखाया गया। भारत में ही लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क व सिंगापुर बनाने का वादा किया गया। इसके लिए हर बड़े शहर के मुहाने पर कचरे के पहाड़ खड़े कर दिए गए। मानें या न मानें, सपनों के शहर की आकांक्षा में हमारे पर्यावरण का संकट हमने ही रचा है। हमारे द्वारा किए गए कचरे से हमारी सेवा करने वाले हमारे लिए नए पहाड़ बना रहे हैं। हम उन पहाड़ों को अनदेखा कर, छोड़कर हिमाचल, उत्तराखंड, कश्मीर व अन्य जगहों के पहाड़ों पर पर्यटन करने जा रहे हैं। हम एक तरफ अपनी नदियों में औद्योगिक कचरा जाने दे रहे हैं और दूसरी तरफ, पहाड़ों की नदियों का सौंदर्य भोगना चाहते हैं। वहां के तालाब, ताल व झरने देखने जाते हैं और अपने यहां इन्हीं में कचरा भरने व इन पर मॉल बनने दे रहे हैं। सत्ता ने भी इन्हीं दूरदराज के स्थानों को पर्यटन के पैसे व आय से देखना शुरू कर दिया है। आज प्रतिवर्ष 6.2 करोड़ टन कचरा पैदा करते हैं जिसमें से मुश्किल से 20 प्रतिशत को ही वैज्ञानिक तरीके से सहेजा जा रहा है।

संक्षिप्त सामाचार

रिंकू सिंह के बीएसए बनने के मामले में नया मोड़

हाईस्कूल पास नहीं हैं क्रिकेटर, पद की योग्यता है पीजी

लखनऊ (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रिंकू सिंह को बेसिक शिक्षा अधिकारी बीएसए के पद पर तैनाती दिए जाने की घोषणा के साथ ही उनकी शैक्षिक योग्यता को लेकर चर्चा शुरू हो गई। बीएसए पद पर सीधी भर्ती लोक सेवा आयोग की ओर से की जाती है। निर्धारित योग्यता पीजी है, जबकि रिंकू सिंह हाईस्कूल भी नहीं हैं।सवाल है कि शैक्षिक अर्हता नहीं होने के बाद भी उन्हें इस पद पर तैनात कैसे किया जा सकता है? उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली के तहत प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में तैनात करने का नियम है। रिंकू सिंह समेत सात खिलाड़ियों की नियुक्ति की सहमति दी गई है। इसके पहले उनके दस्तावेजों की जांच कर ली गई है। अधिकारियों का कहना है कि युवाओं को विभाग की ओर खींचने के लिए ख्यातिलब्ध लोगों की तैनाती की जाती है। ब्रांड एंबेस्डर के रूप में उनका प्रयोग विभाग की गतिविधियों को बेहतर करने में किया जाता है। अधिकारियों के मुताबिक तैनाती के लिए अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं की शैक्षिक योग्यता मायने नहीं रखती है। पदोन्नति के लिए उनको सात साल में निर्धारित शैक्षिक अर्हता पूरी करनी होती है। यही नियम रिंकू सिंह पर भी लागू होगा। ऐसा न करने पर वह भी पदोन्नति के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे। उनको संबंधित सेवा नियमावली में उस साल भर्ती अभ्यर्थियों में कनिष्ठ स्थान पर रखा जाएगा।

लेनदेन के विवाद में हुई ठेकेदार की हत्या, चार गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में ठेकेदार उमा शंकर सिंह की हत्या लेनदेन के विवाद में हुई थी। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारों ने शराब पार्टी के बाद चापड़ से गला काटकर उनकी हत्या की थी। गुडंबा इंस्पेक्टर प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम के साथ शुक्रवार सुबह 10.45 बजे बेहटा फ्लाईओवर के पास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान सुल्तानपुर के शिवगढ़ निवासी संजय कुमार चैहान, उसके भाई शिवा सिंह, प्रतापगढ़ आशापुर निवासी कविनंदन और उसके भाई अभिनंदन के रूप में हुई। उनकी निशानदेही पर अतरौली गांव में बबूल की झाड़ियों से एक बैग मिला। बैग में खून से सना कुर्ता और चापड़ बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपी संजय सिंह ने बताया कि भाई शिवा सिंह ने एक साल पहले उमा शंकर से व्यापार के लिए 60 लाख रुपए उधार लिए थे। पहले तो उमा शंकर का व्यवहार ठीक था। बाद में उसने रंग दिखाना शुरू कर दिया। पैसे के चलते उसने हम लोगों को नौकर बना लिया था। शराब पीने के बाद हम लोगों को मां-बहन की गालियां तक देता था। इसके चलते ही अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी। संजय ने बताया कि उमाशंकर रंगीन मिजाजी था। वो फ्लैट पर लड़कियां लाता था। घटना वाले दिन भी महिला मित्र वैशाली आई थी। रात में मस्ती के बाद वो चली गई। हम लोग जानते थे कि यह रात को भी आती-जाती है और चाबी उसके पास रहती है। उसका फायदा उठाते हुए रात को हत्या कर बाहर से ताला लगाकर निकल गए। जिससे जब वैशाली आएगी तब पुलिस उस पर शक करेगी। क्योंकि उसने भी उमा शंकर से लाखों का कर्ज ले रखा था। जिसके एवज में उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। उसके प्रेमी ने धमकी भी दी थी। जिसकी सबको जानकारी दी। जिसके चलते ही योजनाबद्ध तरीके से हत्या की। सुलतानपुर के भरखरे निवासी 46 वर्षीय ठेकेदार उमा शंकर सिंह गुडंबा थाना क्षेत्र के अर्जुन एन्क्लेव में किराए के मकान में रहते थे। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे उनकी महिला मित्र वैशाली उनके कमरे पर पहुंची। कमरे में बाहर से ताला बंद था। उसने अपने पास रखी दूसरी चाबी से दरवाजा खोला। अंदर बेड पर उमा शंकर का खून से लथपथ शव पड़ा था। वैशाली ने इसकी सूचना मकान मालिक मोहम्मद मुस्तकीम खान को दी थी। मुस्तकीम ने पुलिस को घटना की जानकारी दी थी। उसके बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की। वैशाली ने पुलिस को पूछताछ में बताया है कि सोमवार को वो उमा शंकर से मिली थी। रात को उमा शंकर अपनी गाड़ी से उसे घर छोड़ने गए थे। वो अक्सर उनसे मिलने उनके घर आती थी।

पुलिस भाजपा का कमल हाथ में लेकर काम कर रही: अखिलेश

बीजेपी सिर्फ विरोधियों पर आरोप लगाने में व्यस्त, ममता सावधान रहें

लखनऊ (संवाददाता)। कोलकाता लॉ कॉलेज में छात्रा से कथित गैंगरेप मामले पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। लखनऊ के अहिमामऊ में पूर्व विधायक संतोष पांडेय के आवास पर पहुंचे अखिलेश ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भाजपा से सतर्क रहने की सलाह दी। अखिलेश ने कहा मैं बंगाल के लोगों और खासकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कहना चाहता हूं कि भाजपा से सावधान रहें। अगर आप निष्पक्ष कार्रवाई भी करना चाहेंगी, तो भाजपा इस घटना से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करेगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा, ह्लअपराध और खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराध में यूपी सबसे आगे है। यहां आए दिन रेप की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सरकार का ध्यान किसी और दिशा में है। यहां की सरकार कानून-व्यवस्था को छोड़कर बाकी सभी चीजों पर ध्यान दे रही है। महिलाओं की सुरक्षा का कोई ठोस इंतजाम नहीं है। भाजपा सिर्फ विरोधियों पर आरोप लगाने में व्यस्त है। अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी की स्थापना के समय उसके संविधान में सोशलिस्ट और सेकुलर जैसे शब्द शामिल थे।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन: ब्लाक मिशन मैनेजरो को दिया गया प्रशिक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब लखनऊ में सरकारी, अर्धसरकारी विभाग, संस्थाओ के अधिकारियों, कर्मचारियों, विभाग व रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है। दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब लखनऊ द्वारा संस्थान प्रांगण के प्रशिक्षण कक्षों में महानिदेशक संस्थान एल.वेंकटेश्वर लू के संरक्षण निदेशक संस्थान सुबोध दीक्षित के मार्ग निर्देशन व उपनिदेशक डा नीरजा गुप्ता के प्रशासनिक नियंत्रण में समानान्तर रूप से अद्यतन स्थिति में तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन लखनऊ के सहयोग से क्रमशः 23 जून से 26 जून की अवधि में ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम के अन्तर्ग 71 ब्लाक मिशन मैनेजर्स हेतु 04 दिवसीय आवासीय, डिटेल्स प्रोजेक्ट रिपोर्ट डीपीआर विषयक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 जून, 20से 26 जून की अवधि में ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत कुल 25 ब्लाक मिशन मैनेजर्स हेतु 04 दिवसीय आवासीय, एफएनएचएसडब्ल्यू माड्यूल-1 एवं एमआईएस विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत महिला समूहों की दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 25 जून से 27 जून की अवधि में 48 ब्लाक मिशन मैनेजर हेतु 03 दिवसीय आवासीय मधुमक्खी पालन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।25 जून को मधुमक्खी पालन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस उपरोक्तानुसार तीनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को बुद्धा सभागार में महानिदेशक संस्थान एल वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता व विशिष्ट अतिथि वातार्कार के रूप में दिव्य मिताई दास, इस्कान, डा.किशन वीर सिंह शाक्य पूर्व सदस्य लोक सेवा आयोग, के. लक्ष्मी राव, नेशनल रिसोर्स पर्सन हैदराबाद, डा. जय प्रकाश सहायक निदेशक, इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा डा. कीर्ति विक्रम सिंह, उप निदेशक इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय की उपस्थिति में उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया।वातार्कारों द्वारा मधुमक्खी पालन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रासंगिक या सुसंगत विचारों को प्रकट किया गया। विशेष रूप से डा. शाक्य द्वारा एग्रोफार्मिंग व मधुमक्खी पालन के बारे मे विस्तृत रूप से बताया गया। इस्कान संस्था के विचारक दिव्य मिताई दास द्वारा अच्छे ढंग से मक्खी एवं मधुमक्खी के व्यवहारिक स्वाभाव में रोचकपूर्ण परिवर्तन बताया कि मक्खी रोगों को जन्म देती है लेकिन मधुमक्खी प्रत्येक दृष्टिकोण से मनुष्यों के लिए स्वास्थ्यवर्धक है। संस्थान के महानिदेशक एल. वेंक्टश्वर लू द्वारा सभी प्रतिभागियों को निष्ठा व ईमानदारी के साथ प्रदत्त कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से अभिप्रेरित करने के लिए भारतीय संस्कृति, परिवेश, रीति रिवाज, प्राकृतिक स्वरूप तथा धर्म की बोधगम्यता इत्यादि विषयों पर श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण द्वारा दिये गये उपदेशों को समाहित कर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। तीनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन एवं प्रबन्धन के दृष्टिगत डा नीरजा गुप्ता, उपनिदेशक के नियंत्रण व मार्ग निर्देशन में आरती गुप्ता, विषय विशेषज्ञ, विकास श्रीवास्तव, विषय विशेषज्ञ, उपेन्द्र दुबे, कम्प्यूटर प्रोग्रामर, मोहम्मदर शहंशाह, प्रचार सहायक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लल्लू प्रसाद जी व श्रीमती बिंदु देवी की 53वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर बारी समाज ने किया भव्य समारोह

प्रयागराज। बारी समाज सेवा समिति प्रयागराज, उत्तर प्रदेश (रजि.) के वरिष्ठ संरक्षक आदरणीय श्री लल्लू प्रसाद जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बिंदु देवी जी की 53वीं वैवाहिक वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाई गई। यह अवसर न सिर्फ एक व्यक्तिगत उत्सव रहा बल्कि पूरे बारी समाज के लिए गौरव का पल बना। समारोह का आयोजन वीर शिरोमणि रूपन बारी सेवा संस्थान प्रयागराज के संस्थापक एवं बारी समाज सेवा समिति प्रयागराज उत्तर प्रदेश (रजि.) के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में समिति के महामंत्री के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर समिति के अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह की शुरूआत जयमाला कार्यक्रम से हुई, जहां श्री लल्लू प्रसाद जी और श्रीमती बिंदु देवी जी ने एक-दूसरे को गुलाब का फूल भेंट कर अपने प्रेम और समर्पण का भाव प्रकट किया। इसके बाद मिल्क केक से मुंह मीठा कराया गया। समिति की ओर से श्री राधाकृष्ण जी की प्रतिमा एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया। साथ ही भव्य बुके भेंट कर सभी पदाधिकारियों ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जिन विशिष्ट अतिथियों ने उपस्थिति दर्ज की, उनमें प्रमुख रूप से:
श्री मनोज कुमार रावत "आस्था",
श्री शंभूनाथ रावत,
संगठन मंत्री श्री कमलेश कुमार रावत,
कोषाध्यक्ष श्री मुकेश कुमार रावत,
महानगर अध्यक्ष श्री अनिल कुमार वर्मा,
श्री सिद्धार्थ शंकर रावत आदि शामिल रहे।

समाज के इस आयोजन ने बारी समाज के एकता, प्रेम और सम्मान की भावना को और सशक्त किया। समारोह में शामिल सभी लोगों ने श्री लल्लू प्रसाद जी एवं श्रीमती बिंदु देवी जी के दीघार्यु, स्वस्थ एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की।

ई-रिक्शा चालक की चाकू से गोदकर हत्या, सीसीटीवी में दिखा हत्यारोपी गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र में उस

समय सनसनी फैल गई जब कार्मेल स्कूल के पीछे सड़क किनारे ई-रिक्शा चालक का खून से लथपथ शव मिला। शव की पहचान 22 वर्षीय दिनेश कुमार के रूप में हुई, जो मूल रूप से श्रावस्ती का रहने वाला था और बादशाह नगर स्थित किराए के कमरे में रहकर ई-रिक्शा चलाता था। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो देखा कि दिनेश की पीठ में चाकू घुसा हुआ था और शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। प्रथम दृष्टया मामला चाकुओं से गोदकर की गई हत्या का निकला। पुलिस जांच में सामने आया कि दिनेश की शिवाकांत मिश्रा नामक व्यक्ति से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी रंजिश में शिवाकांत ने देर रात उसे चाकुओं से गोद डाला और मौके से फरार हो गया। महानगर पुलिस ने रातभर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और लोकेशन ट्रेस कर बादशाहनगर रेलवे स्टेशन से आरोपी शिवाकांत मिश्रा को हिरासत में लिया गया है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से जुड़ा मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से जुड़ा मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन। प्रमुख अभियंता कार्यालय परिसर स्थित संघ कार्यालय आस्था सदन में एक अहम सम्बद्धता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राम लखन सिंह, प्रदेश महामंत्री मनीष कुमार शुक्ला समेत कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एस.पी. तिवारी की औपचारिक सम्बद्धता भी संपन्न हुई। प्रदेश महामंत्री मनीष कुमार शुक्ला ने बताया कि इस सम्बद्धता से संगठन की ताकत और प्रभावशीलता में बढ़ोतरी होगी।

गुलाबी साड़ी, खूबसूरत अदाएं...

उमराव जान की स्क्रीनिंग में रेखा की परछाई बनकर पहुंचीं आलिया

कल एक ऐसा पल देखने को मिला जो किसी प्रशंसक के सपने से बिल्कुल अलग था। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने उमराव जान की विशेष स्क्रीनिंग में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, उन्होंने 1981 की फिल्म सिलसिला से रेखा के सबसे प्रतिष्ठित लुक में से एक से प्रेरित एक खूबसूरत साड़ी पहनी थी। हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहने आलिया के लुक को रिया कपूर ने स्टाइल किया था। नरम गुलाबी रंग की साड़ी, पंखदार झुमके और सिंपल मेकअप में पहुंची आलिया ने रेखा के फिल्म सिलसिले की याद दिला दी, जिसमें उन्होंने चांदनी का किरदार निभाया था। आलिया ने अपने बाल खुले रखे और अपने लुक को डेवी मेकअप के साथ पूरा किया, जिससे उनके खूबसूरत और क्लासिक स्टाइल की तारीफ हुई। स्टाइलिस्ट रिया कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में रेखा के ओरिजिनल लुक की तस्वीरें शेयर की। फैशन पेज डाइट सब्या ने भी इंस्टाग्राम पर रेखा के स्टाइल और फैशन की तारीफ की है। यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित सिलसिला में अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और रेखा ने अभिनय किया था। पिछले कुछ वर्षों में, फिल्म के गाने और रेखा के लुक ने लोगों का दिल जीत लिया था। वहीं उनकी फिल्म उमराव जान 27 जून को एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। निर्देशक मुजफ्फर अली और रेखा ने कल मुंबई में फिल्म की विशेष री-रिलीज स्क्रीनिंग की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में एआर रहमान, तब्बू, अनिल कपूर और अन्य लोग शामिल हुए। इस दौरान रेखा ने सुनहरी कढ़ाई वाली पारंपरिक सफेद पोशाक में सभी को चैंका दिया, जो फिल्म में उनके प्रतिष्ठित किरदार उमराव जान की याद दिला रही थी। इस दौरान रेखा को अनिल कपूर के साथ मस्ती भरे पलों में डांस करते भी देखा गया। तब्बू और रेखा को कार्यक्रम में एक-दूसरे को गले लगाते हुए नजर आई। क्रू की अभिनेत्री ने अपने लाल पारंपरिक परिधान में चार चांद लगा दिए। रेखा ने 19वीं सदी के लखनऊ में एक वेश्या-कवयित्री के रूप में फिल्म में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। शिदल चीज क्या हैश पर उनके सुंदर नृत्य प्रदर्शन को आज भी फिल्मप्रेमी सराहते हैं और याद करते हैं।

भूल भुलैया 4 का ऐलान!

फिर रूह बाबा बनेंगे कार्तिक आर्यन, हाथ में लाबूबू डॉल थाम दिया पोज

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन एक बार फिर भूल भुलैया फ्रेंचाइजी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में कार्ति ने कुछ ऐसा पोस्ट किया जिसके बाद लोगों में खलबली मच गई है। तस्वीर को देख भूल भुलैया 4 की अटकलें लगाई जा रही हैं। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भूल भुलैया-2 के मशहूर रूह बाबा अवतार वाली एक तास्वीर पोस्ट की।

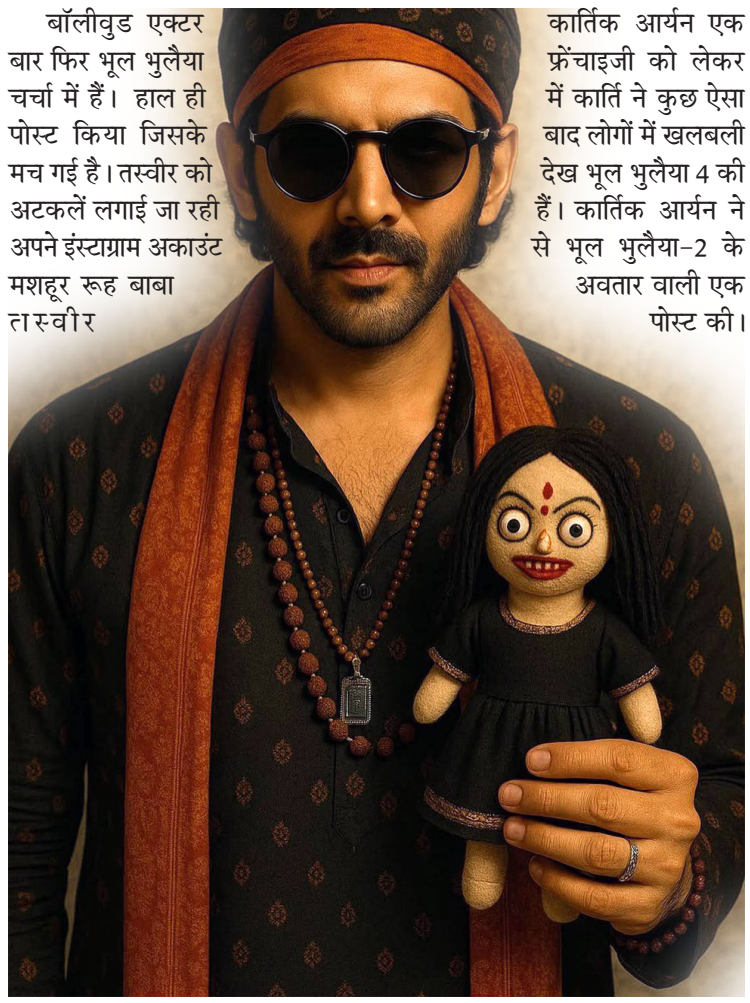

इस तस्वीर में कार्तिक आर्यन अपने जाने-पहचाने किरदार रूह बाबा की तरह पोशाक पहने हुए दिख रहे हैं और हाथों में गुड़िया पकड़े हुए पोज देते नजर आए।कार्तिक ने इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है, आई लाबूबू यू। बता दें कि लाबूबू एक चाइनीज मॉन्स्टर डॉल है जिसे कार्तिक ने अपने हाथ में पकड़ रखा है। कार्तिक के इस पोस्ट को देखकर अब लोगों ने सवाल करना शुरू कर दिया है कि क्या ये भूल भुलैया 4 को लेकर हिंट दे रहे हैं? कार्तिक इन दिनों करण जौहर की फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग के क्रोएशिया शेड्यूल को पूरा कर चुके हैं जिसमें वह अभिनेत्री अनन्या पांडेय के साथ रोमांस करते नजर आएंगे।

बिग बॉस 19 होगा धमाकेदार: शो में होगी सीक्रेट रूम की वापसी, जानिए थीम और प्रीमियर से लेकर कौन-कौन बनेगा हिस्सा

एक्टर सलमान खान के विवादित रियालिटी शो शिबग बॉसश का हर किसी को बेसब्री से इंतजार हैं। वहीं अब रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 19 टीवी पर लौट रहा है। लंबे समय से इस शो को लेकर तरह-तरह के अपडेट्स सामने आ रहा हे। इसके

प्रीमियर और कंटेस्टेंट्स के बारे में भी कुछ दावे किए गए थे लेकिन अब चीजें क्लियर हो गई हैं। इस बार की थीम से लेकर क्या कुछ नया है और कौन-कौन इसमें हिस्सा लेगा, उसकी एक टेंटेटिव लिस्ट सामने आ गई है। बिग बॉस तक के मुताबिक नया सीजन इस बार अक्टूबर और सितंबर में नहीं बल्कि अगस्त महीने में शुरू हो जाएगा। इस बार मेकर्स टीवी वर्जन को पहले लाने का प्लान कर रहे हैं जो कि ढाई-तीन नहीं बल्कि 3.5 महीने का होगा। इसके खत्म होने के बाद ही व्ज्ज पर चैथा सीजन शुरू होगा। इस बार शो की थीम भी अलग है। बताया जा रहा है कि बिग बॉस 19 की थीम श्रिवाइंडश है यानी पिछले साल की चीजों की झलक देखने को मिलेगी। जैसे कि इसमें सीक्रेट रूम वापस आएगा जैसा पिछले कुछ सीजन्स में कॉन्सेप्ट था। इसके अलावा दर्शक शो के कंटेस्टेंट्स को नॉमिनेट करेंगे और फिर कंटेस्टेंट्स एविक्शन में अहम भूमिका निभाएंगे। बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंटेस की लिस्ट भी आई है, जो कि अधपकी हुई है। इसमें राम कपूर और गौतमी कपूर, धीरज धूपर, अलीषा पंवार, कृष्णा श्रॉफ, राज कुंद्रा, अनीता हसनंदानी, मुनमुन दत्ता, गौरव तनेजा उर्फ फ्लाइंग बीस्ट, कनिका मान, अपूर्व मुखीजा उर्फ रिबेल किड, डेजी शाह, मिस्टर फैजू यानी फैजल शेख, खुशी दुबे, अर्शिफा खान, तनुश्री दत्ता, शरद मल्होत्रा, ममता कुलकर्णी, पारस कलनावत, मिकी मेकओवर, पूरव झा जैसे स्टार्स नजर आ सकते हैं।

नाक में नथिया, मांग में टीका और मेहरून जोड़े में दुल्हन बनीं मनीषा रानी, महबूब के लिए किया सोलह श्रृंगार

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर से टीवी तक का सफर तय करने वाली बिहार की क्वीन मनीषा रानीइस वक्त टीवी शो हाले-दिल के लिए खूब प्यार बटोर रही हैं। सरगुन मेहता और रवि दुबे के इस सीरियल में मनीषा का वैसा ही किरदार है, जैसी वह खुद असल जिंदगी में हैं। इन सबके बीच अब मनीषा अपनी नई तस्वीरों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं जिनमें वह दुल्हन बन अपने हमसफर का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने ग्लोसी मेकअप और भारी ज्वेलरी पहनी है। इसके साथ ही चोटी में गजरा भी लगाया है। मनीषा ने ये तस्वीरें शेयर कर लिखा है, कोई नहीं आ रहा हैं। मुझे अभी भी महबूब का इंतजार है। मनीषा रानी के करियर की बात करें, तो वह साल 2023 में बिग बॉस ओटीटी 2 से चर्चा में आई थीं। इसके बाद डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 11 में नजर आईं और इसकी विनर रहीं। मनीषा रानी ने कई म्यूजिक वीडियोज भी किए। अब वह टीवी शो हाले-दिल में सबका दिल जीत रही हैं।

बच्चों में मोटापे का कराण बनती हैं पेरेंट्स की ये 5 गलतियां, समय रहते हो जाएं सतर्क

आजकल बच्चों में मोटापा एक तेजी से बढ़ती हुई समस्या बन गया है। मोटापे की वजह से बच्चे न केवल शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं बल्कि उन्हें कई तरह की गंभीर बीमारियों का भी खतरा रहता है। कई बार माता-पिता सोचते हैं कि बच्चे का मोटा होना अच्छे स्वास्थ्य का संकेत है। लेकिन हकीकत यह है कि जरूरत से ज्यादा वजन बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा डाल सकता है। हम अक्सर यह नहीं समझ पाते कि बच्चों का वजन क्यों बढ़ रहा है। असल में इसके पीछे हमारी खुद की कुछ रोजमर्रा की आदतें जिम्मेदार होती हैं। जैसे कि बच्चों को बार-बार खाने के लिए कहना हर छोटी खुशी पर उन्हें चॉकलेट या फास्ट फूड देना, या खुद ही सक्रिय न रहकर बच्चों को भी निष्क्रिय बना देना। इन आदतों का असर धीरे-धीरे बच्चों की सेहत पर दिखने लगता है। इन आदतों को पहचानकर और सुधार कर हम बच्चों को मोटापे से बचा सकते हैं और उन्हें एक स्वस्थ जीवनशैली की ओर बढ़ा सकते हैं।

अनहेल्दी स्नैकिंग की आदत

जब घर में हमेशा चिप्स, बिस्कुट, नमकीन जैसे जंक फूड आसानी से उपलब्ध होते हैं, तो बच्चे उन्हें बार-बार खाने लगते हैं। इससे उनकी भूख का पैटर्न बिगड़ जाता है और शरीर में अनावश्यक कैलोरी बढ़ जाती है। इसलिए परिवार को चाहिए कि घर में हेल्दी स्नैक्स रखें ताकि बच्चे बेहतर और पौष्टिक विकल्प चुन सकें।

भोजन का अनियमित समय

कई परिवारों में नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना समय पर नहीं होता। खाने के समय में अनियमितता से बच्चों के मेटाबॉलिज्म पर बुरा असर पड़ता है। इस कारण शरीर ज्यादा फैट जमा करने लगता है। इसलिए बच्चों को नियमित और समय पर पौष्टिक भोजन देना बहुत जरूरी है ताकि उनका पाचन तंत्र सही काम करे और उनका विकास अच्छे से हो।

खाने पर इनाम या दंड देना

कई बार परिवार में बच्चे के व्यवहार के अनुसार खाने को इनाम या सजा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। उदाहरण के तौर पर, अच्छा काम करने पर चॉकलेट देना या गलत काम करने पर मनपसंद खाना न देना। ऐसा करने से बच्चे खाने को भावनाओं से जोड़ने लगते हैं और ओवरईटिंग यानी जरूरत से ज्यादा खाने की आदत विकसित हो जाती है।

बच्चों को फिजिकल एक्टिविटी से दूर रखना

आजकल कई परिवारों में पढ़ाई या सुरक्षा के कारण बच्चों को बाहर खेलने से रोक दिया जाता है। इस वजह से बच्चे शारीरिक रूप से निष्क्रिय हो जाते हैं और उनका वजन बढ़ने लगता है। परिवार को चाहिए कि वह बच्चों को खेलने, दौड़ने और एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित करे। इसके अलावा, बच्चों को फिजिकल एक्टिविटी वाले गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

स्क्रीन टाइम को कंट्रोल न करना

अगर परिवार बच्चों को घंटों मोबाइल, टीवी या टैबलेट पर लगे रहने देता है, तो यह मोटापे का एक बड़ा कारण बन सकता है। अधिक स्क्रीन टाइम बच्चों को शारीरिक रूप से आलसी बना देता है। साथ ही, इससे उनकी आंखों और दिमाग पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए बच्चों का स्क्रीन टाइम नियंत्रित करना जरूरी है। बच्चों में मोटापा केवल उनकी आदतों का परिणाम नहीं होता, बल्कि यह पूरी फैमिली की जीवनशैली से जुड़ा होता है। यदि माता-पिता और परिवार अपनी छोटी-छोटी आदतों को सुधार लें, तो बच्चे को मोटापे जैसी गंभीर समस्या से बचाया जा सकता है। एक स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाकर हम अपने बच्चों को बेहतर और स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं।

आपको भी अक्सर हो जाते हैं मुंह में छाले?

कहीं ये किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं

मुंह में छाले होने की समस्या से आप भी कभी न कभी जरूर परेशान हुए होंगे। मुंह में होने वाले ये छोटे-छोटे घाव काफी दर्दकारक होते हैं जिसके चलते खाना-पिना तक कठिन हो जाता है। आमतौर पर छाले खुद से या हल्के-फुल्के घरेलू उपायों से आसानी से ठीक भी हो जाते हैं पर अगर ये समस्या आपको अक्सर बनी रहती है तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें। बार-बार छाले होना किसी गंभीर बीमारी का लक्षण तो नहीं है? मुंह के अंदर गाल-होंठ, जीभ या मसूड़ों पर छोटे-छोटे सफेद या पीले रंग के घावों को माउथ अल्सर या छाले कहा जाता है। ये जलन, दर्द और खाने-पीने में तकलीफ का कारण बन सकते हैं। अगर ये कभी-कभार हों तो सामान्य है, लेकिन बार-बार या लंबे समय तक बने रहना चिंता का विषय है।

आइए समझते हैं कि छाले होते क्यों हैं और कहीं ये गंभीर समस्या का संकेत तो नहीं हैं?

मुंह में छाले होने की वजह क्या है?

मुंह में छाले होने के कई कारणों से हो सकते हैं, जिनमें चोट, कुछ प्रकार के खाद्य पदार्थों से रिक्शन, पोषक तत्वों की कमी और अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियां शामिल हैं। आमतौर पर छाले हानिरहित होते हैं और अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन बार-बार होने वाले या लगातार होने वाले छालों का डॉक्टर से निदान कराना जरूरी हो जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार के पोषक तत्वों की कमी जैसे फोलेट (विटामिन इ9), विटामिन इ12, आयरन और जिंक की कमी से बार-बार छाले हो सकते हैं। एक शोध के अनुसार, 28% रोगियों में विटामिन की कमी छालों का प्रमुख कारण पाई गई।

इन कारणों को भी जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, छाले होने के पीछे तनाव और नींद की कमी जैसे कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। साइकोसोमेटिक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, तनावग्रस्त लोगों में छाले होने की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा महिलाओं में पीरियड्स से पहले या मेनोपॉज के दौरान भी छाले होने की दिक्कत अधिक देखी जाती है इसके लिए शरीर में हार्मोनल बदलावों को कारण माना जा सकता है।

बार-बार छाले होना कितना गंभीर?

अगर छाले लगातार हो रहे हैं, बहुत दर्दनाक हैं या ठीक होने में 2 हफ्ते से अधिक समय ले रहे हैं, तो इस पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। एनीमिया (खून की कमी), खासकर विटामिन बी12 की कमी अक्सर छालों की वजह बनती है। इसका समय रहते इलाज जरूरी हो जाता है। गैस्ट्रिक समस्याएं जैसे सीलिएक या क्रोहन डिजीज के लक्षणों में आपको मुंह में बार-बार छाले होने की दिक्कत होती है, जिसका समय पर पहचान और इलाज जरूरी है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कमजोर इम्युनिटी की वजह से भी छाले बार-बार होते हैं।

छालों से बचाव के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं आप कुछ सामान्य से उपाय करके इस समस्या से बचाव कर सकते हैं। इसके लिए संतुलित आहार लें जिसमें हरी सब्जियां, फल, दूध और दही जैसी चीजें जरूर शामिल हों। जिंक और विटामिन सप्लीमेंट डॉक्टर की सलाह से ले सकते हैं।माउथवॉश या एंटीसेप्टिक जेल का उपयोग करें, जिससे मुंह में संक्रमण का खतरा कम हो।

क्या 'प्रोसेस्ड फूड' वाकई इतना बुरा है? जानें किनसे बचें और किन्हें सीमित मात्रा में खा सकते हैं

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रोसेस्ड फूड बहुत से लोगों के जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। नूडल्स, चिप्स, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और रेडी-टू-ईट भोजन अपनी सुविधा के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। बेशक ये फूड्स हमारा समय बचाते हैं, लेकिन इसको लेकर कुछ लोगों के मन में अक्सर ये सवाल रहता है कि क्या प्रोसेस्ड फूड वाकई हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं? इस सवाल का सही जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि प्रोसेस्ड फूड होता क्या है?

यह भी जानना जरूरी है कि सभी प्रोसेस्ड फूड एक जैसे नहीं होते हैं। प्रोसेस्ड फूड की दुनिया काफी जटिल है, कुछ ऐसे हैं जिनसे पूरी तरह से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट मौजूद होता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें सीमित मात्रा में या सही चुनाव के साथ अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। आइए, इस लेख में हम प्रोसेस्ड फूड के बारे में वस्तार से जानते हैं, साथ ही उनके संभावित नुकसानों और उनसे बचने या सुरक्षित विकल्पों को चुनने के बारे में भी जानेंगे।

प्रोसेस्ड फूड क्या है?

प्रोसेस्ड फूड वह खाद्य पदार्थ है, जिसे स्वाद, शेल्फ-लाइफ, या सुविधा के लिए रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रिया से तैयार किया जाता है।

इसमें फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद फल, और चिप्स जैसे स्नैक्स शामिल हैं। हालांकि, सभी प्रोसेस्ड फूड हानिकारक नहीं होते। उदाहरण के लिए, फ्रोजन मटर या पाश्चुरीकृत दूध न्यूनतम प्रोसेसिंग के साथ पौष्टिक हो सकते हैं। लेकिन अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड, जैसे कि चीनी युक्त पेय, पैकेज्ड स्नैक्स, और रेडी-मेड भोजन, सामान्यतौर पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होते हैं।

हानिकारक प्रोसेस्ड फूड और उनके खतरे

अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में चीनी, नमक, ट्रांस फैट, और कृत्रिम रसायन जैसे प्रिजर्वेटिव्स और रंग अधिक मात्रा में होते हैं। इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, बर्गर, और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का नियमित सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाता है। इनमें पोषक तत्व कम और कैलोरी अधिक होती है, जिससे पाचन तंत्र पर भी बुरा असर पड़ता है।

किन प्रोसेस्ड फूड से बचें?

कुछ प्रोसेस्ड फूड ऐसे हैं जिनसे हमें पूरी तरह से दूर रहना चाहिए? इनमें मीठे सोडा, एनर्जी ड्रिंक्स, और चिप्स-कुकीज जैसे ट्रांस फैट वाले स्नैक्स आते हैं। आर्टिफिशियल स्वाद वाले रेडी-टू-ईट भोजन भी इसी लिस्ट में हैं। इन चीजों में मौजूद प्रिजर्वेटिव्स और ज्यादा नमक आपकी सेहत बिगाड़ सकते हैं, ये मसूड़ों की बीमारी, मोटापा और हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकते हैं।

सुरक्षित प्रोसेस्ड फूड और सीमित सेवन

अब ऐसा नहीं है कि सारे प्रोसेस्ड फूड खराब होते हैं। कुछ तो ऐसे होते हैं जिनकी प्रोसेसिंग बहुत कम होती है, जैसे कि फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद दालें या पाश्चुरीकृत दही। अगर इन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो ये सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, बस, एक बात का ध्यान रखें कि इनमें फालतू का नमक या ज्यादा चीनी न मिली हो। उदाहरण के तौर पर, बिना चीनी वाले ओट्स एक बढ़िया और सेहतमंद विकल्प हैं। जब भी आप कुछ पैकेट वाला सामान खरीदें, तो उसकी पैकेजिंग पर दी गई पोषण संबंधी जानकारी को ध्यान से पढ़ें। और कोशिश करें कि ऐसा उत्पाद चुनें जिसमें कम से कम केमिकल मिलाए गए हों।

रोहित शर्मा ने किया बड़ा खुलासा, टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के साथ मैच से पहले मिली थी धमकी

न्यूयॉर्क में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला कौन भूल सकता है। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 119 रन पर सिमट गई थी। लेकिन फिर टूटा जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या का कहर। कसी गेंदबाजी की बदौलत भारत ने कम स्कोर का भी बचाव किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले साल न्यूयॉर्क में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला कौन भूल सकता है। टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए 119 रन पर सिमट गई थी। लेकिन फिर टूटा जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या का कहर। कसी गेंदबाजी की बदौलत भारत ने कम स्कोर का भी बचाव किया। लेकिन कम ही लोगों को पता है कि उस मैच के दो दिन पहले से भारतीय क्रिकेट टीम एक तरह से होटल में कैद थी। उन्हें बाहर जाने की इजाजत नहीं थी। सीधे मैच के लिए ही होटल से बाहर निकले थे। ये खुलासा किया है तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा ने। रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में खुलासा किया है कि, भारत और पाकिस्तान मैच से पहले हमें कहा गया कि खतरा है कुछ चल रहा है। इसलिए मैच के दो दिन पहले से हमें होटल से बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। माहौल वहां से बनना शुरू हो गया था। हम खाना ऑर्डर कर रहे थे और होटल इतना पैक था किआप बामुश्किल चल सकते थे। फैन, मीडिया वहां सब थे। उस समय आपको अहसास होता है कि ये कोई साधारण सा मैच नहीं है कुछ खास होने वाला है। मैच शुरू होने से पहले ही स्टेडियम में जैसे जश्न का माहौल था। उस माहौल और रोमांच के अनुभव के बारे में रोहित ने बताया कि, हम स्टेडियम के नजदीक पहुंचे तो वहां पहले से जश्न जैसा महसूस हो रहा था। भारतीय फैंस, पाकिस्तानी फैंस, हर कोई नाच रहा है और मस्ती में मगन है। मैंने भारत-पाकिस्तान के कई मैच खेला है, कब तो गिनती भी भूल गए लेकिन मैच से पहले की वो ऊर्जा, वो फीलिंग वह कुछ अलग ही था। किसी भी चीज की उससे तुलना नहीं हो सकती।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में दिए गए फैसलों पर भड़के डैरेन सैमी, अंपायर पर लगाए गंभीर आरोप

जब ट्रेविस हेड के बल्ले से शमार जोसेफ की गेंद पर हल्का अंदरूनी किनारा लगा और विकेटकीपर शाई होप ने कैच लपका तो मामला थर्ड अंपायर के पास गया। अल्ट्रा एज मेंबल्ले से गेंद को टकराते हुए साफ देखा गया और होप ने सॉफ्ट कैच भी पकड़ा लेकिन थर्ड अंपायर ने पर्याप्त सबूत नहीं बताते हुए हेड को नॉटआउट करार दे दिया।

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर के फैसलों को लेकर चर्चा हो रही है। पहले मुकाबले में दो दिन के खेल में लगातार विवादित फैसलों को बहस में बदल दिया है। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि अंपायर के ऐसे फैसले खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं और शक की गुंजाइश पैदा कर रहे हैं। ब्रिजटाउन में ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट में अब तक चार ऐसे डीआरएस फैसले लिए गए हैं, जिन पर खिलाड़ियों, कोच और कमेंटेटरों तक ने सवाल खड़े किए हैं। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान, जब ट्रेविस हेड के बल्ले से शमार जोसेफ की गेंद पर हल्का अंदरूनी किनारा लगा और विकेटकीपर शाई होप ने कैच लपका तो मामला थर्ड अंपायर के पास गया। अल्ट्रा एज मेंबल्ले से गेंद को टकराते हुए साफ देखा गया और होप ने सॉफ्ट कैच भी पकड़ा लेकिन थर्ड अंपायर ने पर्याप्त सबूत नहीं बताते हुए हेड को नॉटआउट करार दे दिया। इसके बाद दूसरे दिन की शुरूआत में रोस्टन चेज को जॉश हेजलवुड की गेंद पर अपील के बाद नॉटआउट दिया गया था। डीआरएस में थर्ड अंपायर ने माना कि गेंद पहले बैट से लगी थी, इसलिए उन्हें नॉटआउट करार दिया गया, लेकिन उसके बाद 50वें ओवर में चेज फिर पैट कमिंस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट दे दिए गए। इस बार डीआरएस में अल्ट्रा एज पर स्पाइक्स थे, यानी बल्ले से गेंद छूती दिख रही थी फिर भी थर्ड अंपायर ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच गैप था और चेज को आउट करार दिया गया। इस फैसले पर कमेंटेटर इयान बिशप ने ऑन-एयर कहा कि, मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूं क्योंकि गेंद पहले बैट से लगी है। वहीं इन सभी फैसलों के बाद वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने दिन का खेल खत्म होने के बाद साफ शब्दों में कहा कि, आप नहीं चाहते कि मैच के दौरान फैसला अंपायरों के पास जाए, लेकिन जब एक के बाद एक ऐसे फैसले होते हैं, तो सवाल खड़े होना जरूरी हो जाता है। उन्होंने ये जोड़ा कि इन गलतियों का असर सिर्फ स्कोरबोर्ड पर नहीं, बल्कि मैच की हार-जीत पर भी पड़ता है।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी पूंजी के प्रवाह और अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी ने शुक्रवार को कारोबार की शुरूआत आशावादी रुख के साथ की। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 229.22 अंक चढ़कर 83,985.09 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 73.5 अंक की बढ़त के साथ 25,622.50 अंक पर पहुंच गया। बाजारों में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर लाभ में रहे। बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 फायदे में रहा जबकि चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.06 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

रुपया शुरूआती कारोबार में 23 पैसे की बढ़त के साथ 85.49 प्रति डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के मजबूत निवेश और घरेलू

शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बीच रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में 23 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.49 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डॉलर के थोड़ा मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त हालांकि थोड़ी थम गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.50 पर खुला। फिर 85.49 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.72 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.24 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 229.22 अंक की बढ़त के साथ 83,985.09 अंक पर जबकि निफ्टी 73.5 अंक चढ़का 25,622.50 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.05 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृस्पतिवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 12,594.38 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

फेयरफैक्स ने अमिताभ कांत को वरिष्ठ सलाहकार किया नियुक्त

एजेंसी

कनाडा। अरबपति प्रेम वत्स की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड ने नीति आयोग के पूर्व मुख्य

कार्यपालक अधिकारी अमिताभ कांत को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। फेयरफैक्स ने बयान में कहा कि जी-20 के पूर्व शेरपा कांत की आर्थिक वृद्धि, नवाचार और सतत विकास में व्यापक विशेषज्ञता से भारत में कंपनी के दीर्घकालिक निवेश दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। कंपनी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेम वत्स ने कहा, हम अमिताभ का हमारे फेयरफैक्स परिवार में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी कांत को जुलाई 2022 में भारत का जी20 शेरपा नियुक्त किया गया था। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले। फेयरफैक्स एक होल्डिंग कंपनी है, जो अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से मुख्य रूप से संपत्ति और दुर्घटना बीमा तथा पुनर्बीमा के साथ-साथ संबंधित निवेश प्रबंधन में लगी हुई है।

रवि शास्त्री ने की आईसीसी से ये मांग, आईसीसी के राजस्व में भारत को मिलना चाहिए बड़ा हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारत को आईसीसी के कुल राजस्व में और भी बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। इसके पीछे

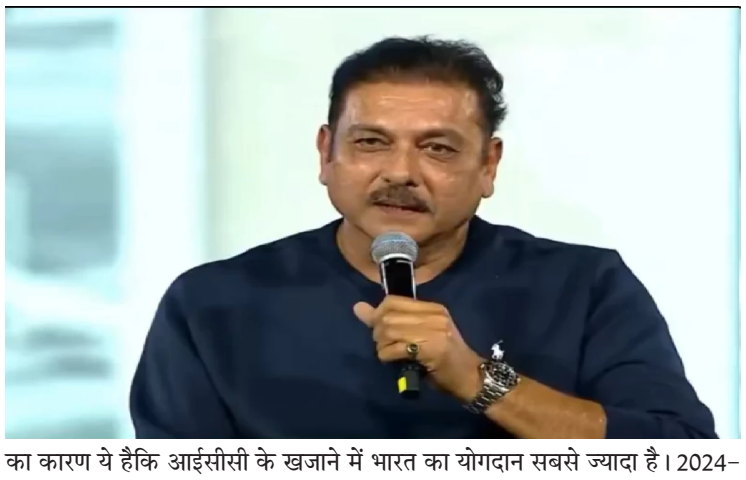

का कारण ये हैकि आईसीसी के खजाने में भारत का योगदान सबसे ज्यादा है। 2024-27 चक्र के मॉडल के अनुसार भारत वर्तमान में आईसीसी के कुल राजस्व का 38.5 प्रतिशत कमाता है, जो इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से काफी ज्यादा है। बावजूद रवि शास्त्री इसमें और बढ़ोतरी चाहते हैं। दरअसल, शास्त्री का मानना है कि जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले। विज्डन क्रिकेट से बातचीत के दौरान शास्त्री ने कहा कि, भारत को आईसीसी के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारत कभी विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना इजाफा होता है। टीवी से जो रही कमाई के आंकड़े खुद ये साबित करते हैं। इसलिए ऐसा कहना बिल्कुल जायज होगा कि उन्हें उनके हिस्से का बड़ा भाग मिले। उन्होंने कहा कि, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। ये सब इकोनॉमी पर निर्भर करता है। अगर कल को कोई और देश की इकोनॉमी भारत से मजबूत हो जाए तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में हुआ करताथा। उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी और देश को जाता था। इसलिए भारत के लिए और बड़ा हिस्सा मांगना सही है। बता दें कि, आईसीसी के राजस्व मॉडल के मुताबिक, 88 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व 12 पूर्ण सदस्य जो देश खेलने वाले देश हैं उनके बीच बांटा जाता है। इसमें से 48.2 प्रतिशत का अहम हिस्सा खेल के तीन शक्तिशाली देशों, भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसे अपने हिस्से का प्रतिशत दोहरे अंकों यानी 38.5 प्रतिशत में प्राप्त होता है।

रॉबिन हुड आर्मी गोरखपुर ने चलाया स्पेशल रूह अफ्जा शरबत वितरण ड्राइव

गर्मी में राहगीरों को राहत देने का अनोखा प्रयास

गोरखपुर। चिलचिलाती गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के उद्देश्य से रॉबिन हुड आर्मी गोरखपुर की ओर से एक विशेष "रूह अफ्जा शरबत वितरण ड्राइव" का

आयोजन किया गया। यह पहल श्रीमती गरिमा सिंह, सिटी रिप्रेजेंटेटिव के नेतृत्व में शहर के चार प्रमुख स्थानों पर की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, छात्रों और महिलाओं ने लाभ उठाया।

ड्राइव दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक शहर के निम्न स्थानों पर सम्पन्न हुई:

1. बक्शीपुर चौराहा, जुबली इंटर कॉलेज के सामने झ संचालनः श्रीमती गरिमा सिंह एवं श्री अश्विनी कुमार
2. पैडलेगंज चौराहा – संचालनः कु. निधि पांडे
3. एमएमएम इंजीनियरिंग कॉलेज – संचालनः श्री अभय सिंह
4. नंदानगर – संचालनः श्री दीपक यादव

इस दौरान राहगीरों को न केवल ठंडा रूह अफ्जा शरबत पिलाया गया, बल्कि बक्शीपुर सेंटर पर बिस्किट भी वितरित किए गए। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों ने राहत महसूस की और रॉबिन हुड आर्मी के इस प्रयास की सराहना की। भीड़भाड़ और यातायात की चुनौती के बावजूद कार्यकताओं ने बेहतरीन समन्वय दिखाया और कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग देने वाले प्रमुख वॉलंटियर्स में राधा, आयुष्मान, राम नायक, अनुष्का, रिमझिम, सिद्धांत, शिवम, प्रियंका, दिव्यांशु, नूपुर सिन्हा और राजस्थान जोधपुर से विशेष रूप से आए रॉबिन रोशन शामिल रहे। इस अवसर पर कई मीडिया प्रतिनिधि और स्थानीय सम्मानित नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। श्रीमती गरिमा सिंह ने बताया कि रॉबिन हुड आर्मी का उद्देश्य न सिर्फ भोजन की बबार्दी को रोकना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे और न ही भूखा सोए। संस्था द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा और खेलों में भी सहयोग दिया जाता है। रॉबिन हुड आर्मी गोरखपुर की यह अनोखी पहल न सिर्फ समाज के लिए एक प्रेरणा है, बल्कि गर्मी में मानवीय सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी है।

अखाड़ा जुलूस निकालते मुस्लिम समाज के लोग

गाजीपुर। मोहर्रम की पहली तारीख पर करतब दिखाते अखाड़ा जुलूस निकाला गया। जुलूस में बच्चे-बूढ़े और जवान शामिल रहे। मोहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समाज के लोगों ने कर्बला के मैदान में हुई जंग में हजरत

इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। अखाड़ा जुलूस कस्बा बाजार से होते हुए। सैयद बाड़ा चौक पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान जुलूस में अखाड़े आकर्षण का केंद्र बने रहा। अखाड़े के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। इस दौरान अखाड़ा जुलूस का लोगों ने इस्तेखबाल किया। मोहर्रम के जुलूसों में सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इंतजाम रहा। नगर पालिका परिषद के द्वारा साफ सफाई, चुने का छिड़काव कराया। इसके साथ ही पेयजल व्यवस्था को भी दुरुस्त रखा। मोहर्रम पर्व को लेकर नेसार अहमद खान वारसी, आरिफ खान वारसी, हयातुल्ला खान वारसी, दानिश मंसूरी, शाहिद जमाल मंसूरी सहित आदि लोगों ने बताया कि अकीदतमंदों ने जुम्मे के रोज शाम के वक्त से फातेहा का सिलसिला शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने बताया कि अगरबत्ती, मोमबत्ती, व दीप जलाकर आसपास में रौशनी किया। यह सिलसिला पूरे मोहर्रम के 10 दिनों तक चलता रहता है। सभी इमाम चौक पर महिलाएं बच्चे, बच्चियां और नन्हे मुन्ने बच्चे काफी संख्या में पहुंचते है। उन्होंने कहा कि इराक में इमाम हुसैन का रोजा ए मुबारक दरगाह है। जिसकी हूबहू (कापी) शक्ल में बनाई जाती है। जिसे ताजिया कहा जाता है। नेसार अहमद खान वारसी ने बताया कि भारत के तत्कालीन बादशाह तैमूर लंग ने मोहर्रम के महीने इमाम हुसैन के रोजे दरगाह की तरह बनवाया। जिसे ताजिया का नाम दिया गया। जो बेहद अहम है। मोहर्रम माह के 10 वें दिन यानी 10 तारीख को रोजा ए आशुरा कहा जाता है। खान ने बताया कि इसी दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। उन्होंने बताया कि इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मोहम्मद साहब छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला में अपने 72 साथियों के साथ शहादत दी थी। और ऐसी मोहर्रम महे गम के महीने के तौर पर मनाया जाता है। और युवाओं द्वारा खेल का प्रदर्शन करने के लिए अभ्यास करते है। जिसमें बनेठी, ढाल, लाठी, डंडा का संचालन लगभग 50 साल पुरानी परंपरा चली आ रही है। इसमें हिन्दू भाई बढ़चढ़ का हिस्सा लेते है।

वीर शिरोमणि रूपन बारी स्मृति द्वार निर्माण कार्य शुरू, समाज में हर्ष की लहर

बस्ती। अखिल भारतीय बारी संघ बस्ती के जिला अध्यक्ष राधेश्याम बारी, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रशांत सिंह बारी तथा समाज के वरिष्ठजनों के निरंतर प्रयासों से समाज के गौरव वीर शिरोमणि रूपन बारी जी की स्मृति में द्वार का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

यह द्वार डुमरियागंज-भानपुर मार्ग पर स्थापित किया जा रहा है। गौरतलब है कि 13 फरवरी 2025 को माननीय सपा विधायक श्री राजेंद्र चौधरी जी को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया था। इसके फलस्वरूप प्रशासन द्वारा द्वार निर्माण की स्वीकृति दी गई और अब इसका फाउंडेशन कार्य प्रारंभ हो चुका है। संभावना है कि आने वाले कुछ ही दिनों में यह द्वार पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा, जो समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक बनेगा। इसके अतिरिक्त, समाज के लोगों के प्रयासों से रुधौली मार्ग एवं कलवारी नगर बाजार मार्ग पर भी स्मृति द्वार निर्माण की स्वीकृति जल्द ही मिलने की उम्मीद है। संबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं और इन स्थलों पर भी कार्य शीघ्र शुरू करा दिया जाएगा। समाज के इस प्रयास को लेकर क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है और लोग इसे सामूहिक जागरूकता और एकजुटता का प्रतीक मान रहे हैं। वीर शिरोमणि रूपन बारी जी के नाम से बनने वाला यह द्वार समाज की ऐतिहासिक पहचान और गौरवशाली परंपरा को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा सरकार में जमीनों का गोरखधंधा: अखिलेश यादव

गोरखपुर में विरासत गलियारे के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न, विपक्षी नेताओं पर हमला निंदनीय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि

उत्तर प्रदेश में जमीनों की लूट खुलकर हो रही है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में "विरासत गलियारा" के नाम पर व्यापारियों के मकान और दुकानों को जबरन ढहाकर जमीन हड़पी जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष पर हमला, लोकतंत्र पर हमला

श्री यादव ने कहा कि गोरखपुर में व्यापारियों की समस्याएं सुनने पहुंचे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष श्री लाल बिहारी यादव पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमला किया। रास्ते में बुलडोजर लगा कर उन्हें रोका गया। यह लोकतंत्र और संविधान का अपमान है।

बुलडोजर अन्याय का प्रतीक

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बुलडोजर अब अन्याय का प्रतीक बन गया है। हिटलरशाही की तरह विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है।

गोरखपुर में जमीनों की जबरन लूट

श्री यादव ने कहा कि गोरखपुर में ह्वविरासत गलियाराह्व के नाम पर जबरदस्ती सहमति ली जा रही है, ताकि मुआवजा कम देना पड़े। सरकार बाजार मूल्य नहीं, अपनी मर्जी से तय दरों पर जमीन ले रही है। उन्होंने मांग की कि व्यापारियों को उनकी जमीन का मार्केट रेट दिया जाए।

भूमाफियाओं को संरक्षण, जनता के साथ धोखा

श्री यादव ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग जमीनों की सौदेबाजी कर रहे हैं। गरीबों से जमीनें छीनी जा रही हैं और सस्ती दरों पर खरीदी गई जमीनों को ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि भाजपा अयोध्या और प्रयागराज में हारी और वाराणसी में हारते-हारते बची।

मेट्रो और विकास के वादे झूठे साबित हुए

उन्होंने तंज कसा कि भाजपा सरकार के 9 साल और केंद्र सरकार के 11 साल के बावजूद मुख्यमंत्री गोरखपुर में मेट्रो नहीं चला पाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में बाजार मूल्य पर मुआवजा देकर विकास परियोजनाएं चलाई गईं, जैसे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और लखनऊ मेट्रो।

सपा सरकार में ही हुआ था असली विकास

श्री यादव ने कहा कि गोरखपुर में आज जो बड़े कारखाने चल रहे हैं, वे समाजवादी सरकार की देन हैं। भाजपा सरकार में केवल भूमाफिया और भ्रष्टाचार पनपा है।

कानून-व्यवस्था ध्वस्त, महिलाओं पर अत्याचार

श्री यादव ने कहा कि गोरखपुर में एक 17 वर्षीय यूट्यूबर से दुष्कर्म की घटना सामने आई है, जिसमें आरोपी भाजपा का करीबी है। जौनपुर में पिछले 60 दिनों में 26 हत्याएं हुई हैं।

भाजपा आरक्षण और संविधान विरोधी

उन्होंने भाजपा पर समाजवाद और सेकुलरिज्म के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही है, जिससे गरीबों को कुछ नहीं मिलेगा।

बिजली भी समाजवादी सरकार की देन

श्री यादव ने कहा कि आज प्रदेश में जो बिजली मिल रही है, वह समाजवादी सरकार द्वारा बनवाए गए बिजलीघरों से है। भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन नहीं बढ़ाया, बल्कि निजीकरण को बढ़ावा दिया।

नेता प्रतिपक्ष की आपबीती

कार्यक्रम में श्री माता प्रसाद पांडेय ने विस्तार से बताया कि प्रतिनिधिमंडल को गोरखपुर में कैसे रोका गया, बुलडोजर लगाया गया, हमला हुआ और गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया।

प्रेस वार्ता में शामिल प्रमुख नेता-

लाल बिहारी यादव, गणेश शंकर पांडेय, राजेन्द्र चौधरी, डॉ. मोहसिन खान, राजमती निषाद, विजय बहादुर यादव, राहुल गुप्ता, प्रहलाद यादव, चंद्रबली यादव, गोपाल यादव, अमरेन्द्र निषाद, रूपावती बेलदार, रजनीश यादव, जफर अमीन डक्कू, ब्रजेश कुमार गौतम, शब्बीर कुरैशी, रामनाथ यादव, सुनील सिंह, डॉ. संजय कुमार, ब्रजनाथ मौर्या, श्रीमती बिन्दा सैनी, उर्मिला देवी, नमिता सिंह, आनन्द राय, अंशुमान सिंह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यलोक राष्ट्रीय पत्रकार संघ के नए जिला अध्यक्ष बने अमित उपाध्याय व महामंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह

गाजीपुर। दिव्यलोक राष्ट्रीय पत्रकार संघ के चुनाव को लेकर पत्रकारों में बड़ी हलचल थी । जिला अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए प्रियतोश साहू व अमित उपाध्याय ने नामांकन किया था। लेकिन प्रियतोश साहू द्वारा संघ की गरिमा को बरकरार रखते हुए तथा पत्रकारों के बीच आपसी भाईचारे को देखते हुए वह अपना समर्थन अमित उपाध्याय को दे दिए । जिसकी वजह से अमित उपाध्याय निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए चुने गए। इसके पहले अध्यक्ष पद की कमान वीर बहादुर मौर्य ने संभाल रखी थी। लेकिन अब जिला अध्यक्ष की कमान अमित उपाध्याय के हाथों में सौंपी गई। अमित उपाध्याय

मूलतः थाना करंडा , ग्राम लीलापुर के रहने वाले हैं। अमित उपाध्याय एक कर्मठ व ईमानदार पत्रकारों के रूप में जाने जाते हैं। वहीं उपाध्यक्ष के पद पर जय प्रकाश चंद्रा के स्थान पर पुनीत त्रिपाठी को उपाध्यक्ष पद पर चुना गया। महामंत्री पद के लिए अमरेंद्र प्रताप सिंह को नव नियुक्त किया गया तथा साथ ही साथ राघव शर्मा को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के रूप में चुना गया। आज चुनाव का कार्यक्रम आदरणीय संरक्षक राजेश चौबे के निवास स्थान पर रखा गया था । जिसमें चुनाव अधिकारी के रूप में आर.पी शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष पांडे के नेतृत्व में चुनाव का कार्यक्रम संपन्न हुआ। विजेताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष के.एन शर्मा के द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव रजत श्रीवास्तव, रामप्रवेश शर्मा , मंगल पांडे, विकास, डॉ अरविंद कुमार सिंह, प्रियतोश साहू, विजय वीर विक्रम, राम अवध भारद्वाज, अनिल सिंह, हसन इकबाल, आलोक कुमार चौबे, पुनीत कुमार त्रिपाठी, रजनीकांत पांडे, रतन श्रीवास्तव, राजेश चौबे तथा तमाम पत्रकारगण मौके पर उपस्थित रहे और अपने नवागत जिला अध्यक्ष को बधाई दी।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन सतर्क

गाजीपुर। श्रावण मास के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। कांवड़ यात्रियों की भीड़ और उनके सकुशल जलाभिषेक सुनिश्चित कराने हेतु जिलाधिकारी अविनाश

कुमार एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने शनिवार को जनपद के प्रसिद्ध महाहर धाम का स्थलीय निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ियों की यात्रा को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य मार्गों एवं कांवड़ियों के आवागमन वाले रास्तों पर लटके हुए एवं जर्जर तारों को तत्काल ठीक कराया जाए। इसके साथ ही मंदिर परिसर में बैरिकेटिंग, चेंजिंग रूम, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, शुद्ध पेयजल तथा सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश भी संबंधित विभाग को दिए ।पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के सीमित समय में उपयोग और शहर में भारी वाहनों के लिए रूट डायवर्जन जैसे विषयों पर अपने अधीनस्थ अधिकारियों से चर्चा की। जिलाधिकारी ने भीड़भाड़ वाले स्थलों पर ह्यखोया-पायाह्न शिविर लगाने और महिला पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके ।इस निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अतुल सोनकर, उपजिलाधिकारी कासिमाबाद संजय यादव, उपजिलाधिकारी सदर मनोज पाठक सहित अन्य अधिकारी और पुलिस कर्मी भी मौजूद रहे। प्रशासन की यह पहल श्रावण मास में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम है।

हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल एवं एम्स गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर जागरूकता हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

गोरखपुर। स्वस्थ समाज की ओर एक सार्थक पहल करते हुए, हनुमान प्रसाद

पोद्दार कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान, गीता वाटिका, गोरखपुर ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एम्स गोरखपुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जंगल कौड़िया के सहयोग से एक दिवसीय कैंसर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में सीएचओ, एएनएम, आशा संगिनी और आशा कार्यकर्ताओं को कैंसर की प्रारंभिक पहचान, रोकथाम और बचाव के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल के संयुक्त सचिव श्री रसेन्दु फोगला ने स्वागत भाषण से किया। उन्होंने कहा, "हमें कैंसर की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचानी है, ताकि समय रहते इलाज संभव हो सके।" कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री फतेह बहादुर सिंह, विधायक, कैम्पियरगंज ने अपने संबोधन में कहा, "हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल बीते 50 वर्षों से कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहा है। आशा कार्यकर्ता गांव-गांव तक यह संदेश ले जा सकती हैं कि कैंसर का इलाज संभव है, बशर्ते समय पर जांच हो।"

कार्यशाला में तीन प्रमुख विशेषज्ञ डॉक्टरों ने निम्न विषयों पर व्याख्यान दिए:

1. डॉ. रामशंकर रथ (एम्स, गोरखपुर) – मुख कैंसर की पहचान एवं बचाव
2. डॉ. प्रदीप खरया – स्तन कैंसरः लक्षण, जांच एवं स्वयं-जांच तकनीक
3. डॉ. सी.पी. अवस्थी – सर्वाइकल कैंसर, रोकथाम और एचपीवी वैक्सीन का महत्व

डॉक्टरों ने बताया कि तंबाकू, शराब और असंतुलित जीवनशैली से कैंसर की आशंका बढ़ती है। जबकि समय पर जांच और जागरूकता से इसे रोका जा सकता है। महिलाओं को स्तन स्वयं-जांच की विधि का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कैंसर पर आधारित पुस्तिकाएं और जागरूकता सामग्री प्रदान की गईं, जिससे वे अपने क्षेत्रों में कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक कर सकें।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. जयप्रकाश सिंह (प्राचार्य), मनोज सिंह, राजेश सिंह, आयुष श्रीवास्तव, अतुल पांडेय, रामसुंदर, अंकित पांडेय, रामसूरत सिंह समेत स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की अहम भूमिका रही।

यह कार्यशाला न केवल एक प्रशिक्षण सत्र थी, बल्कि एक प्रेरणादायक संदेश भी कि-कैंसर से डरें नहीं, बल्कि जानकारी और समय पर जांच से इसे मात दी जा सकती है।

Samajwadi Party President Akhilesh Yadav Alleges Massive Land Scams Under BJP Rule

Lucknow"Issued by: Samajwadi Party Headquarters, 19 Vikramaditya Marg, Lucknow

In a scathing press conference held at the Samajwadi Party Headquarters in Lucknow, National President and former Chief Minister Shri Akhilesh Yadav accused the BJP government of widespread corruption and illegal land acquisition across Uttar Pradesh. He particularly criticized the government for alleged land grabbing in the name of the "Heritage Corridor" in Gorakhpur, where homes and shops of local traders are reportedly being demolished.

Attack on Opposition Leaders in Gorakhpur

Shri Yadav condemned the recent attack on Leader of the Opposition in the Assembly Shri Mata Prasad Pandey and Leader of the Opposition in the Legislative Council Shri Lal Bihari Yadav, who were in Gorakhpur to meet affected traders. BJP workers allegedly obstructed them with bulldozers and even assaulted them. He labeled this incident as a direct attack on democracy and constitutional rights."

Bulldozers have become a symbol of injustice under this government," he said.

Land Grabbing in the Name of Development The SP chief alleged that market-rate compensation is being denied to traders in Gorakhpur. Instead, the government is forcing consent under pressure to avoid paying fair compensation.

When it was their own land, maximum compensation was claimed, but now people are being threatened into giving up land at throwaway prices," Yadav said.

He warned that if Gorakhpur residents start revealing what's really going on, the "Heritage Corridor" may soon become a "Custody Corridor."

BJP's "Loot Model" Exposed

Akhilesh Yadav alleged that BJP-backed individuals buy land from the poor at dirt-cheap prices and later sell it at inflated rates. This land scam pattern, he claimed, was evident in Ayodhya, Prayagraj, and Varanasi, and will soon be exposed in Gorakhpur and Mathura.

Metro, Electricity, and Empty Promises

Yadav mocked the BJP's promises of running a metro in Gorakhpur and Jhansi, noting that despite 20 years of BJP governance at the state and central levels combined, no metro service has materialized.

He credited the Samajwadi Party for tangible development, including

Agra-Lucknow Expressway

Lucknow Metro

New power stations in Lalitpur, Etah, Bara, and Ghatampur

"The electricity the state gets today is because of SP-built power plants," he emphasized.

Law and Order in Shambles

He pointed to worsening law and order, citing 26 murders in just 60 days in Jaunpur, and the recent rape of a 17-year-old YouTuber in Gorakhpur, allegedly by a BJP-affiliated person.

BJP Against Reservation and Constitution

Shri Yadav accused the BJP of being anti-reservation, anti-secular, and against the socialist framework of the Constitution.

"They don't openly attack the Constitution due to fear of losing elections, but their actions speak volumes," he remarked.

SP's Promise: From Fake Heritage to Real Development

He assured the people of Gorakhpur that under a future Samajwadi government, fake heritage projects would be replaced by real corridors of development, and fair compensation would be ensured.

Statement by Leader of the Opposition Shri Mata Prasad Pandey

He shared details of the attack, stating that BJP workers hurled eggs and damaged vehicles, forcing the SP delegation to protest on the spot.

Prominent Leaders Present

Lal Bihari Yadav, Ganesh Shankar Pandey, Rajendra Chaudhary, Dr. Mohsin Khan, Rajmati Nishad, Vijay Bahadur Yadav, Rahul Gupta, Prahlad Yadav, Chandrabali Yadav, Gopal Yadav, Amrendra Nishad, Rupawati Beldar, Ranjnish Yadav, Zafar Ameen Dakku, Brijesh Kumar Gautam, Shabbir Qureshi, Ramnath Yadav, Dr. Sanjay Kumar, Binda Saini, Namita Singh, Anshuman Singh and others.

Construction of Veer Shiromani Rupen Bari Memorial Gate Begins: Wave of Joy in the Community

Basti | Thanks to the continuous efforts of Radheshyam Bari, District President of the Akhil Bharatiya Bari Sangh (Basti), Prashant Singh Bari, President of the Youth Wing, and senior members of the community, the construction of the Veer Shiromani Rupen Bari Memorial Gate has officially begun. The gate is being established along the Dumariyaganj–Bhanpur road.

It is noteworthy that on 13 February 2025, a formal memorandum was submitted to Hon. Samajwadi Party MLA Shri Rajendra Chaudhary, following which administrative approval was granted. Now, the foundation work for the gate has commenced.

The gate is expected to be fully constructed within the next few days and will stand as a symbol of pride and inspiration for the entire community.

In addition to this, efforts are underway to secure approval for similar memorial gates at Rudhauli Road and Kalwari Nagar Bazar Road. Administrative procedures for these projects are in their final stages, and construction is expected to commence soon.

This development has created an atmosphere of excitement and celebration across the region. The community sees it as a reflection of unity, awareness, and shared cultural pride. The Veer Shiromani Rupen Bari Memorial Gate is being hailed as a significant step in preserving the historical identity and glorious legacy of the Bari community.

Sherbet Distribution Drive Successfully Conducted by Robin Hood Army Gorakhpur

Gorakhpur | With the onset of the intense summer season, access to refreshing beverages becomes essential for relief. In keeping with its commitment to public welfare, Robin Hood Army Gorakhpur once again took a commendable step in service of the common citizens. Under the leadership of Mrs. Garima Singh, City Representative of Robin Hood Army Gorakhpur, a special "Rooh Afza Sherbet Distribution Drive" was conducted on Sunday, 22nd June 2025, from 12:00 PM to 3:00 PM across four key locations in Gorakhpur city: 1. Bakshipur Chauraha, in front of Jubilee Inter College – led by Mrs. Garima Singh and Mr. Ashwini Kumar 2. Padleganj Chauraha – led by Ms. Nidhi Pandey 3. MMM Engineering College – led by Mr. Abhay Singh 4. Nanda Nagar – led by Mr. Deepak Yadav At each of these centers, Rooh Afza sherbet was distributed to citizens, students, and women to provide relief from the scorching heat. In addition, biscuits and snacks were also distributed at the Bakshipur Chauraha center. Passers-by and local residents were visibly refreshed by the thoughtful gesture. Despite facing traffic management challenges—particularly at Bakshipur Chauraha, one of the busiest intersections in Gorakhpur—the volunteers remained dedicated and ensured smooth execution of the program. Key volunteers including Radha, Ayushman, Ram Nayak, Anushka, Rimjhim, Siddhant, Shivam, Priyanka, Divyanshu, and non-

member volunteer Nupur Sinha, along with Robin Roshan from Jodhpur (Rajasthan), actively participated, braving the summer heat. Their enthusiasm played a significant role in the successful completion of the drive. The event also saw the presence and support of distinguished citizens and media professionals, whose participation and time were invaluable in making the event a grand success. Robin Hood Army Gorakhpur has always been committed to the service of the underprivileged. The organization also works through its academy to provide quality education, sports encouragement, and skill development to needy children. The team operates with the philosophy – "Let no one in the city go hungry or sleep on an empty stomach." They actively strive to prevent food wastage and envision meaningful change in society. The successful completion of this city-wide Rooh Afza drive marks another milestone in the organization's ongoing efforts for social good.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।